समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

महात्मा गांधी पुण्यतिथि 2026: अर्थ और महत्व

Publisher

Published on 30 Jan 2026

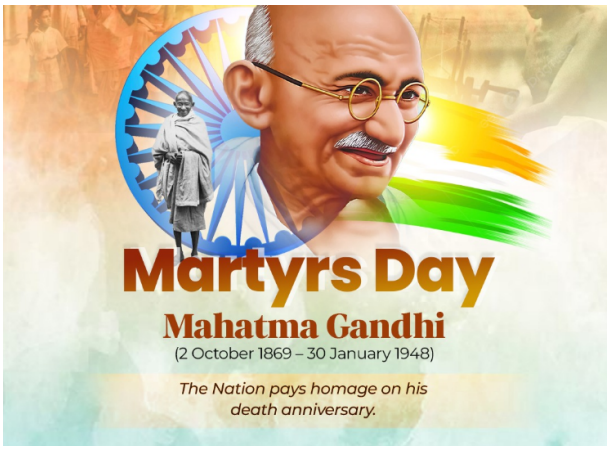

भारत हर वर्ष **30 जनवरी** को राष्ट्रपिता **महात्मा गांधी** की **पुण्यतिथि** के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि देश के लिए बलिदान देने वाले **शहीदों को नमन करने का प्रतीक दिवस** है। इसी कारण 30 जनवरी को **शहीद दिवस (Martyrs' Day)** कहा जाता है।

30 जनवरी का ऐतिहासिक महत्व

30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की **नई दिल्ली के बिड़ला भवन (अब गांधी स्मृति)** में प्रार्थना सभा के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके निधन से पूरा देश शोक में डूब गया।
गांधीजी का जीवन **सत्य, अहिंसा, त्याग और मानवता** का प्रतीक था, और उनकी शहादत ने भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को झकझोर दिया।

शहीद दिवस क्यों कहा जाता है ?

30 जनवरी को **शहीद दिवस** इसलिए कहा जाता है क्योंकि:

- यह दिन **महात्मा गांधी के बलिदान** की याद दिलाता है
- देश की आज़ादी और अखंडता के लिए **अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी शहीदों** को श्रद्धांजलि दी जाती है
- पूरे देश में इस दिन **दो मिनट का मौन** रखकर शहीदों को नमन किया जाता है

यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि आज़ादी केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि **असंख्य बलिदानों की विरासत** है।

गांधीजी के विचार आज भी क्यों प्रासंगिक है ?

आज के दौर में जब दुनिया हिंसा, असहिष्णुता और संघर्ष से जूझ रही है, तब गांधीजी के विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं।
उनका संदेश था कि **हिंसा से नहीं, बल्कि सत्य और अहिंसा से स्थायी परिवर्तन संभव है**।

महात्मा गांधी के प्रेरणादायक उद्धरण

> **"खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया मे देखना चाहते है।"**
>
> **"आँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी।"**
>
> **"अहिंसा मानव जाति का सबसे बड़ा हथियार है।"**
>
> **"कमज़ोर कभी माफ़ नहीं कर सकता, माफ़ी ताक़तवर की निशानी है।"**
>
> **"सत्य कभी नुकसान नहीं पहुँचाता, असत्य हमेशा डर पैदा करता है।"**

आज की पीढ़ी के लिए संदेश

शहीद दिवस केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि **आत्मचिंतन का अवसर** है।
यह दिन हमें सिखाता है कि:

- देशप्रेम केवल शब्दों में नहीं, **कर्तव्यों मे दिखना चाहिए**
- ईमानदारी, करुणा और सहिष्णुता ही मजबूत राष्ट्र की नींव हैं
- गांधीजी के रास्ते पर चलकर ही **सशक्त और शांत भारत** का निर्माण संभव है

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.